

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-848125

बुलेटिन संख्या-85

दिनांक- शुक्रवार, 9 जून, 2021



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.6 एवं 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 70 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.3 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.6 घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.5 एवं दोपहर में 38.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 18.2 मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(12-16 जून, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 12-16 जून, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल बादल छाये रह सकते हैं। मानसून के आगमन की सम्भावना के कारण वर्षा की सम्भावना में वृद्धि होगी और इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32-36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन 15 से 20 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते हैं वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-9 वी०पी०टी०-5208 एवं सत्यम आदि किस्में 90 जुन तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दशांश हिस्सों में बीज गिरायें। बीज को गिराने से पहले 9.5 ग्राम बविस्टीन प्रति कि० ग्रा० बीज की दर से उपचारित करें।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। छोटी-छोटी उथली क्यारियों,जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को पंक्तियों में गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-53, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में हैं। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/ 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर 1-90 कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- गन्ना फसल में अभी गलित शिखा रोग (Top rot disease) के प्रकोप की संभावना है। इस रोग से लगभग 2.0 से 22.5 प्रतिशत तक एवं उग्र अवस्था में 10 प्रतिशत तक उपज एवं 99.10 से 65.0 प्रतिशत तक की चीनी की मात्रा में कमी हो जाती है, जिससे किसान एवं चीनी मिलों का काफी हद तक नुकसान सहना पड़ता है। बिहार के वातावरण में इस रोग को वृद्धि हेतु तापक्रम 28-29 डिग्री सेल्सियस, नमी 95-100 प्रतिशत एवं 9000-10000 मि०मी० वर्षा उपयुक्त पाया गया इस रोग से अक्रांत पौधे के शीर्ष भाग की पत्तिया घुमावदार हो जाती है तथा अक्रांत बिन्दु से पत्तिया टूटकर नीचे झुक जाती है एवं पौधों की वृद्धि बिन्दु सड़ जाती है एवं पौधे की बढ़वार रुक जाती है। गन्ना फसल पर इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर कार्बन्डाजीन (फर्फूदनाशी) का 0.9 प्रतिशत दवा को 9 लीटर पानी में घोलकर 95 दिनों के अन्तराल पर तीन बार छिड़काव करने से रोग वृद्धि में कमी होती है।
- हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में एवं अदरक की मरान एवं नदिया किस्में की बुआई करें। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करें।
- अल्प अवधि वाले धान की किस्म एवं सुगंधित धान का किस्म का विचड़ा बीजस्थली में 20 जून से 90 जुलाई तक बोने के लिए अनुशंसित है। सुगंधित किस्मों का विचड़ा बीजस्थली में पहले से गिराने से उसकी सुगंध खत्म हो जाती है
- मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले तथा हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में पलट दें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें। कीट-व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमान: 33.1 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

आज का न्यूनतम तापमान: 26.0 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी